शेख़ फ़रीद - सबद ४३

फरीदा दरि दरवाजै जाइ कै किउ डिठो घड़ीआलु ॥

सलोक, सेख फरीद, गुरु ग्रंथ साहिब, १३७९

फरीदा दरि दरवाजै जाइ कै किउ डिठो घड़ीआलु ॥
एहु निदोसां मारीऐ हम दोसां दा किआ हालु ॥३९॥

सार: मासूमियत को बनाए रखने के लिए काफ़ी साहस की ज़रूरत होती है क्योंकि हमारे नकारात्मक कार्यों के परिणाम हमारी अपेक्षा से कहीं ज़्यादा नुकसानदेह हो सकते हैं। अटूट स्पष्टता और इरादों की पवित्रता के साथ जीना आंतरिक लचीलेपन की एक शक्तिशाली अभिव्यक्ति है। परिणामवाद एक ऐसी अवधारणा है जो इस बात पर ज़ोर देती है कि अच्छे कर्म लाभदायक परिणाम देते हैं, जबकि हानिकारक कर्म दुख का कारण बनते हैं। सही कर्म वह हैं जो हमारे और दूसरों के लिए कल्याण को अधिकतम और नुकसान को न्यूनतम करते हैं। ये निर्णय ऐसी लहरें पैदा करते हैं जो तात्कालिक क्षण से आगे तक फैलती हैं, हमारे चरित्र और रिश्तों को आकार देती हैं और अक्सर अप्रत्याशित भविष्य की स्थितियों को प्रभावित करती हैं। इस समझ को अपनाना हमें ऐसे आचरण के लिए समर्थ बनाता है जो सभी के लिए एक बेहतर संसार का निर्माण करे।

फरीदा दरि दरवाजै जाइ कै किउ डिठो घड़ीआलु ॥
फ़रीद कहते हैं कि जब आप किसी पूजा-स्थल पर जाते हैं तो क्या आप वहां घंटा देखते हैं? प्रतीकात्मक रूप से घंटे की ध्वनि सकारात्मकता का आह्वान करती है और नकारात्मकता को दूर भगाती है।

एहु निदोसां मारीऐ हम दोसां दा किआ हालु ॥३९॥
यदि निर्दोष पर प्रहार किया जा रहा है, हम नकारात्मक लोगों का क्या होगा? यह अवलोकन बताता है कि यदि निर्दोषता को सहने की शक्ति की आवश्यकता है तब हमारे नकारात्मक कार्यों के परिणाम अधिक गंभीर हैं। (३९)

तत्त्व: शेख़ फ़रीद आत्म-चिंतन और जवाबदेही के लिए एक शक्तिशाली रूपक के रूप में घंटा बजाने का उपयोग करते हैं। वह कहते हैं कि जब कोई पूजा स्थल में प्रवेश करता है तब सकारात्मकता जगाने और नकारात्मकता को दूर करने के लिए घंटा बजाया जाता है जिससे ईश्वर से जुड़ने के लिए अनुकूल वातावरण बनता है। इसी प्रकार केवल जब हम अपनी चेतना पर प्रहार करते हैं तभी हम सद्गुणों को जगा सकते हैं और अपने दुर्गुणों को दूर कर सकते हैं जिससे हम अपने विवेक, अपने दिव्य सार से जुड़ सकते हैं। वह इस बात पर ज़ोर देते हैं कि निर्दोषता का प्रतीक घंटा, एक ऐसी ध्वनि उत्पन्न करने के लिए बजाया जाता है जो दिव्यता को आमंत्रित करती है हमें उन लोगों के भाग्य पर विचार करने के लिए प्रेरित करती है जो बुरी नीयत रखते हैं। यह प्रेरणा एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठाती है, सत्य के लिए प्रयास करने वालों को भी अपनी यात्रा पर अडिग रहने के लिए लचीलेपन की आवश्यकता होती है। यदि सकारात्मक सोच रखने वालों के लिए इस मार्ग पर बने रहना चुनौतीपूर्ण है तो नकारात्मकता में डूबे लोगों के लिए क्या आशा है?

पहलकदमी

Oneness In Diversity Research Foundation

वेबसाइट: OnenessInDiversity.com

ईमेल: onenessindiversityfoundation@gmail.com